विभाग : हिन्दी व अन्य भाषाएँ

विषय : हिन्दी साहित्य

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

बी.ए. प्रथम

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का आधारभूत (Basic) ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। आधुनिक कविता की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के साथ साहित्य की विधाओं कहानी तथा उपन्यास के विषय में भी ज्ञान अर्जित करते हैं। इसके अतिरिक्त समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रकट करने से उनकी लेखन कला में सुधार होता है।

बी.ए. द्वितीय

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत ज्ञान हासिल करते हैं। साहित्य की विधाओं एकाँकी तथा उपन्यास की रचना प्रक्रिया को समझते हैं। इसके अतिरिक्त हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, विकास तथा विभिन्न रूपों की विस्तृत जानकारी हासिल करते हैं।

बी.ए. तृतीय

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का सम्पूर्ण ज्ञान हासिल करते हैं। हिन्दी साहित्य की नवीन विधाओं रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी तथा आत्मकथा आदि का विस्तृत ज्ञान अर्जित करते हैं। इसके अतिरिक्त छन्दों के माध्यम से कविता रचना की प्रक्रिया को भी समझते हैं।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

हिन्दी साहित्य का विषय पढ़ने वाले विद्यार्थी स्कूलों तथा कॉलेजों में हिन्दी शिक्षक के तौर पर कार्य कर सकते हैं। सरकारी तथा प्राईवेट बैंकों में हिन्दी ऑफिसर की नौकरी हासिल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी, अर्द्धसरकारी, प्राइवेट संस्थानों तथा बैंकों में अनुवादक के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं।

डिप्लोमा इन संस्कृत

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी गीता के श्लोकों तथा जपुजी साहिब के माध्यम से जहाँ धर्मों का अध्ययन कर पाते हैं, वहीं अपनी समृद्ध संस्कृति के विषय में भी जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी जहाँ गुरुमुखी तथा संस्कृत की वर्णमाला की तुलनात्मक अध्ययन करना सीखता है, वहीं अनुवाद की कला में भी कुशलता प्राप्त करते हैं।

डिप्लोमा इन उर्दू

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी उर्दू भाषा के सामान्य ज्ञान के साथ–साथ इसकी व्याकरण से भी परिचित होते हैं। उर्दू के महान् रचनाकारों के विषय में जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त

विद्यार्थी सांस्कृतिक तथा सामाजिक समस्याओं से सम्बंधित भिन्न–भिन्न विषयों अपने विचार व्यक्त कर अपनी लेखन कला में सुधार करते हैं।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

उर्दू तथा संस्कृत से डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थी जहाँ उच्च शिक्षा के योग्य बनते हैं। वहीं विभिन्न संस्थानों में अनुवादक का कार्य भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कई सरकारी नौकरियों जैसेः पटवारी तथा योगा अध्यापक आदि के लिए भी इन भाषाओं का ज्ञान रखने वालों के लिए अपार सम्भावनाएँ हैं।

एड ऑन कोर्स

ट्रांसलेशन प्रॉफीशैंसी (अनुवाद कुशलता)

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

बी.ए. प्रथम (सर्टीफिकेट कोर्स)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी अनुवाद के स्वरूप के साथ–साथ अनुवाद परम्परा के इतिहास की भी जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त पंजाबी से हिन्दी तथा अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवाद करने की योग्यता भी हासिल करते हैं।

बी.ए. द्वितीय (डिप्लोमा कोर्स)

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी अनुवाद से सम्बंधित विस्तृत ज्ञान हासिल करते हैं। वह सफल अनुवादक बनने के गुण सीखने के साथ–साथ अनुवाद से सम्बंधित समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त अंग्रेज़ी से हिन्दी अनुवाद करने में भी सक्षम होते हैं।

बी.ए. तृतीय (एडवांस डिप्लोमा कोर्स)

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी भिन्न–भिन्न क्षेत्रों (विधि, कम्प्यूटर, जनसँचार माध्यम) में अनुवाद करने की कला सीखते हैं। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विशेष रूप से हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद करने की कला सीखते हैं।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

इस पाठ्यक्रम से तीनों भाषाओं का ज्ञान (हिन्दी, पंजाबी तथा अंग्रेज़ी) अर्जित करने के पश्चात् विद्यार्थी कई सरकारी, अर्द्ध–सरकारी तथा प्राइवेट संस्थानों तथा बैंकों में अनुवादक का कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वह घर बैठ कर भी अनुवाद के माध्यम से आजीविका अर्जित कर सकते हैं।